अयोध्या बन रही प्रदेश की पहली सौर ऊर्जा मॉडल सिटी

● प्रदेश के अन्य 16 नगर निगमों में भी सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना कराई जा रहीः एके शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि उप्र सौर ऊर्जा नीति-2022 के अन्तर्गत अयोध्या शहर को प्रदेश का पहला सौर ऊर्जा के मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें शहर के कुल विद्युत भार का 10 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूर्ति की जाएगी। साथ ही अन्य 16 नगर निगमों में भी सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना करायी जा रही। वर्तमान में अयोध्या नगर में सोलर सिटी में 15.75 करोड रुपए तथा अन्य नगरों में सोलर सिटी में 40 करोड़ रुपए के बजट प्राविधान किया गया है। किसी भी नगर में सोलर सिटी कार्यक्रम के लिए नगर आयुक्त के माध्यम से प्रस्ताव प्राप्त कर राज्य स्तरीय समिति के अनुमोदनोपरान्त कार्य कराये जाते हैं।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अयोध्या सोलर सिटी कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक 766 अदद स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, 2300 सोलर स्ट्रीट लाइट, 250 अदद सोलर हाई मास्ट, 3.33 मेगावाट क्षमता के ऑनग्रिड सोलर पावर प्लाण्ट, 50 किलोवाट क्षमता का ऑफग्रिड सोलर पावर प्लाण्ट एवं 06 मीट्रिक क्षमता का 1 अदद् सोलर आधारित कोल्ड स्टोरेज, 1 किलोवाट क्षमता के 40 सोलर ट्री, 2.5 किलोवाट क्षमता के 18 सोलर ट्री, 10 सोलर वॉटर किऑस्क के अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है। साथ ही पर्यटन के दृष्टिगत 02 सोलर बोट का संचालन सरयू नदी पर किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सरयू के तट पर 40 मेगावाट का सोलर प्लाण्ट स्थापित किया गया है। अयोध्या में सरयू नदी तट पर 10.25 किलोमीटर के मार्ग पर लक्ष्मण किला से निर्मली कुण्ड तक 487 स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट स्थापित कर मार्ग को प्रकाशित करा दिया गया है।

वही वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी योजनांतर्गत अयोध्या शहर में 150 स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाइट, 1100 सोलर स्ट्रीट लाइट, 75 सोलर हाई मास्ट संयंत्रों के अधिष्ठापन की कार्यवाही गतिमान है।